राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

विश्वविद्यालयीय शिक्षा में सुधार हेतु कुलाधिपति ने दिये कई महत्वपूर्ण निदेश

पटना, 18 मार्च 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राज्य में विश्वविद्यालयीय शिक्षा के गुणात्मक सुधार हेतु कई महत्वपूर्ण निदेश संबंधित कुलपतियों एवं विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों को प्रदान किये हैं।

राज्यपाल श्री टंडन ने सभी कुलपतियों को निदेशित किया है कि वे विश्वविद्यालय–मुख्यालय में अपनी अधिकतम उपस्थिति सुनिश्चित करें। राज्यपाल श्री टंडन ने कहा है कि कुलपति के मुख्यालय में रहने से विश्वविद्यालय की विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों से निबटने में काफी सहूलियत होती है। कुलाधिपति–सह–राज्यपाल श्री टंडन ने सभी कुलपतियों को दिए अपने हालिया निदेश में कहा है कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को अपनी अधिकतम उपस्थिति अपने कार्यालय एवं विश्वविद्यालय–मुख्यालय में सुनिश्चित करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा है कि राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा एक विहित प्रक्रिया के तहत सभी राज्यपालों को अवकाश या भ्रमण की स्वीकृति प्रदान की जाती है। कुलपतियों की अवकाश–स्वीकृति एवं भ्रमण में भी वैसी ही प्रक्रिया का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाना चाहिए।

राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री टंडन ने अपने एक अन्य महत्वपूर्ण निदेश के तहत 'ओ॰एफ॰एस॰एस॰' (OFSS) की जगह अब इस वर्ष से 'यू॰एम॰आई॰एस॰' (UMIS) की प्रक्रिया के जरिये सभी विश्वविद्यालयों को स्वतंत्र रूप से अपने यहाँ विद्यार्थियों के नामांकन–कार्य संचालित करने का निदेश प्रदान किया है।

राज्यपाल श्री टंडन ने नवसृजित विश्वविद्यालयों –पूर्णिया विश्वविद्यालय, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय एवं मुंगेर विश्वविद्यालयों के लिए परिसंपत्ति–वितरण एवं कार्यबल–बँटवारे के कार्य को इस मार्च माह के अंत तक अंतिम रूप से निष्पादित कर लेने को कहा है, ताकि आगामी शिक्षण–सत्र से इस संबंध में कोई कठिनाई या समस्या नहीं रह जाये।

राज्यपाल श्री टंडन ने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 'नैक–प्रत्ययन' (NAAC Accreditation) को लेकर भी अपनी गंभीरता और दृढ़ता से सभी कुलपतियों को अवगत कराते हुए उन्हें 31 मार्च, 2019 तक 'ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन' के तहत निबंधित होते हुए अपने विश्वविद्यालय एवं सभी अंगीभूत महाविद्यालयों के लिए आई॰डी॰ प्राप्त कर लेने का निदेश प्रदान किया है, ताकि 'नैक मूल्यांकन' की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ सके।

राज्यपाल ने सभी विश्वविद्यालयों को अविलम्ब दो गाँवों को गोद लेकर उन्हें 'मॉडल गाँव' के रूप में विकसित कराने का निदेश प्रदान किया है। राज्यपाल ने इस क्रम में एन॰सी॰सी॰ एवं एन॰एस॰एस॰ को पूर्ण रूप से सक्रिय करने को कहा है, ताकि ग्रामीण विकास के प्रति विश्वविद्यालयों की सक्रियता बढ़ाते हुए उनकी सामाजिक सहभागिता को भी रेखांकित किया जा सके।

विश्वविद्यालयों में 'हर परिसर–हरा परिसर' कार्यक्रम के तहत सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय परिसरों के सौन्दर्यीकरण के भी निदेश दिये गये हैं।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं महाविद्यालय के प्राचार्यों से यह अपेक्षा की है कि वे राज्य सरकार से पुस्तकालयों के सुदृढ़ीकरण हेतु प्राप्त होनेवाली निधि से ख्यातिप्राप्त प्रकाशकों एवं लेखकों की छात्रोपयोगी पुस्तकों की ही खरीददारी करेंगे।

.....